भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
06.08.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 2978 का उत्तर

मायिलादुत्तुराई स्टेशन पर अमृत भारत स्टेशन योजना

†2978. कु. सुधा आर.:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) अमृत भारत योजना के अंतर्गत मायिलादुत्तुराई रेलवे स्टेशन के लिए कुल बजटीय परिव्यय का ब्यौरा क्या है;
(ख) चालू अमृत भारत योजना के अंतर्गत मायिलादुत्तुराई रेलवे स्टेशन पर किए जाने वाले कार्य और परियोजनाओं की सूची का ब्यौरा क्या है;
(ग) चालू अमृत भारत योजना के अंतर्गत मायिलादुत्तुराई रेलवे स्टेशन पर किए जा रहे कार्यों और परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति क्या है;
(घ) चालू अमृत भारत योजना के अंतर्गत मायिलादुत्तुराई रेलवे स्टेशन पर कार्यों और परियोजनाओं के लिए अब तक जारी की गई कुल निधि का ब्यौरा क्या है; और
(ङ) क्या चालू कार्यों की गुणवत्ता के बारे में ठेकेदार के विरुद्ध कोई शिकायतें प्राप्त हुई हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो उन पर क्या कार्रवाई की गई है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): मयिलाड्डुतुरै जंक्शन रेलवे स्टेशन तमिलनाडु राज्य में स्थित है और इसे अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास हेतु चिह्नित किया गया है। प्लेटफ़ॉर्म संख्या 1 पर

प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर और नए शौचालय का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है और परिचलन क्षेत्र, स्टेशन भवन, कॉनकोर्स, प्रतीक्षालय, प्लेटफ़ॉर्म संख्या 1, 2 और 3 पर प्लेटफ़ॉर्म सतह में सुधार, नए 6 मीटर पैदल पार पुल का निर्माण, दिव्यांगजन सुविधाओं, लिफ्ट और एस्केलेटर का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत मयिलाडुतुरै जंक्शन सहित तमिलनाडु राज्य में 77 स्टेशन चिह्नित किए गए हैं। तमिलनाडु राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास के लिए चिह्नित स्टेशनों के नाम इस प्रकार हैं:

राज्य	अमृत स्टेशनों की संख्या	अमृत स्टेशनों के नाम
तमिलनाडु	77	अंबासमुद्रम, अंबत्तूर, अराक्कोणम जंक्शन, अरियालुर, अवदी, बोम्मिडी, चेंगलपट्टू जंक्शन, चेन्नै बीच, चेन्नै एग्मोर, चेन्नै पार्क, चिदंबरम, चिन्ना सेलम, क्रोमपेट, कोयम्बटूर जंक्शन, कोयम्बटूर नॉर्थ, कुन्नूर, धर्मपुरी, डिडीगुल, इरोड जंक्शन, गुडुवनचेरी, गुइंडी, गुम्मिडीपूंडी, होसुर, जोलारपेट्टई जंक्शन, कन्याकुमारी टर्मिनस, कराइक्कुडी जं., करूर जंक्शन, काटपाडी, कोविलपट्टी, कुलितुरई, कुंभकोणम, लालगुडी, मदुरै जंक्शन, माम्बलम, मनापरई, मन्नारगुडी, मयिलाडुतुरै जं., मेट्टुपलयम, मोरप्पुर, नागरकोइल जंक्शन,

		नामक्कल, पलानी, परमाकुडी, पेरम्बूर, पोदनूर जंक्शन, पोलाची जं., पोलुर, पुदुक्कोट्टई, पुराची थलाईवर डॉ. एम.जी.रामचंद्रन सेंट्रल, राजापलायम, रामनाथपुरम, रामेश्वरम, सेलम, सामलपट्टी, शोलावंदन, श्रीरंगम, श्रीविल्लिपुथुर, सेंट थॉमस माउंट, ताम्बरम, तेनकासी, तंजावुर जंक्शन, तिरुवरुर जंक्शन. तिरुचेंदूर, तिरुनेलवेली जंक्शन, तिरुप्पादरिप्पुलयूर, तिरुपत्तूर, तिरुप्पुर, तिरुसुलम, तिरुत्तानी, तिरुवल्लुर, तिरुवन्नामलाई, तूतीकोरिन, उदगमंडलम, वेल्लूर कैंट, विल्लुपुरम जंक्शन, विरुधनगर, वृद्धाचलम जंक्शन

तमिलनाडु राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य तीव्र गति से शुरू किए गए हैं। अब तक, इस योजना के अंतर्गत तमिलनाडु राज्य में 09 स्टेशनों (चिदंबरम, कुलितुरई, मन्नारगुडी, पोलुर, सामलपट्टी, श्रीरंगम, सेंट थॉमस माउंट, तिरुवन्नामलाई, वृद्धाचलम जंक्शन) के चरण-I का कार्य पूरा हो चुका है। अन्य स्टेशनों पर भी कार्य तीव्र गति से शुरू किए गए हैं और उपरोक्त कुछ स्टेशनों की प्रगति नीचे दी गई है:

- मोरप्पुर स्टेशन पर, नए स्टेशन भवन, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग क्षेत्र, प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर, दिव्यांगजन पार्किंग, रैंप और कम ऊँचाई वाले टिकट बूथ, सहायता बूथ का सुधार कार्य पूरा हो चुका है। प्लेटफ़ॉर्म की सतह, प्रतीक्षालय, शौचालय, साइनेज, स्टेशन पर रोशनी, दिव्यांगजनों के अनुकूल शौचालय, वाटर बूथ, पैदल पार पुल के सुधार कार्य और लिफ्ट का कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

- बोम्मिडी स्टेशन पर स्टेशन भवन, 6 मीटर चौड़े पैदल पार पुल, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग क्षेत्र, प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर, प्लेटफ़ॉर्म की सतह में सुधार, प्रतीक्षालय, शौचालय, साइनेज, दिव्यांगजन पार्किंग, रैंप और कम ऊँचाई वाले टिकट बूथ, प्रकाश व्यवस्था, मार्गदर्शी स्पर्शनीय पथ, दिव्यांगजन अनुकूल शौचालय, वाटर बूथ आदि का सुधार कार्य पूरा हो चुका है। लिफ्ट, ब्रेल मैप और साइनेज के सुधार कार्य पूरे कर लिए गए हैं।

- तिरुवरुर जंक्शन पर, स्टेशन भवन कॉनकोर्स, बुकिंग कार्यालय, वेटिंग लॉबी, पहुँच मार्ग पेवर ब्लाक, लैंडस्केप, प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर व प्लेटफ़ॉर्म की सतह, प्रतीक्षालय की फॉल्स सीलिंग, ग्रेनाइट फर्श, दीवार की टाइलें, रंगाई, साइनेज, फिसलन रहित सतहों का सुधार कार्य पूरा हो चुका है। दिव्यांगजन सुविधाओं, जैसे प्रकाश व्यवस्था, मार्गदर्शी स्पर्शनीय पथ, सुगम्य पथ, मानक रैंप, सवारी डिब्बा संकेतक बोर्ड, दिव्यांगजन पार्किंग, कम ऊँचाई वाले टिकट बूथ, सहायता बूथ, वाटर बूथ और स्टेशन पर प्रकाश व्यवस्था में सुधार का कार्य शुरू कर दिया गया है।

- वेल्लोर कैंट स्टेशन पर, परिचलन क्षेत्र, बुकिंग कार्यालय, टर्मिनल भवन का एलीवेशन, नए प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर, प्लेटफ़ॉर्म सतह में सुधार, प्रतीक्षालय, नए शौचालय, नए मेहराब, नई कंपाउंड दीवार, साइनेज, मानक रैंप, सवारी डिब्बा संकेतक बोर्ड, दिव्यांगजन पार्किंग, कम ऊँचाई वाले टिकट बूथ, दिव्यांगजन अनुकूल शौचालय, स्पर्शनीय पथ, सुगम्य पथ, फिसलन रहित फर्श की सतह के सुधार कार्य पूरा हो चुका है। लैंडस्केप में सुधार, फर्नीचर प्रापण और स्टेशन प्रकाश व्यवस्था का कार्य शुरू कर दिया गया है।

- अरियालुर स्टेशन पर प्रवेश मंडप सहित टर्मिनल भवन, कॉनकोर्स, बुकिंग कार्यालय, वेटिंग लॉबी में सुधार, परिचलन क्षेत्र व प्लेटफ़ॉर्म सतह में सुधार, प्रतीक्षालय में सुधार, नया मेहराब, नया शौचालय, मानक रैंप, सवारी डिब्बा संकेतक बोर्ड, दिव्यांगजन पार्किंग, कम ऊँचाई वाले टिकट बूथ, दिव्यांगजन अनुकूल शौचालय, स्पर्शनीय पथ, सुगम्य पथ, प्रकाश व्यवस्था का कार्य पूरा हो चुका है। पैदल पार पुल, नए प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर और सवारी डिब्बा संकेतक बोर्ड लगाने का कार्य शुरू हो चुका है।

अमृत भारत स्टेशन योजना में दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ सतत आधार पर रेलवे स्टेशनों के विकास की संकल्पना की गई है। इसमें प्रत्येक ऐसे रेलवे स्टेशन की आवश्यकता को देखते हुए स्टेशन तक पहुंच, परिचलन क्षेत्र, प्रतीक्षालय, शौचालय, आवश्यकता के अनुसार लिफ्ट/एस्केलेटर, प्लेटफार्म की सतह के कार्य और प्लेटफार्म पर कवर, स्वच्छता, नि:शुल्क वाई-फाई, 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं द्वारा स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क, बेहतर यात्री सूचना प्रणाली, एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्दिष्ट स्थान, लैंडस्केपिंग आदि जैसी सुविधाओं में सुधार लाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन करना शामिल है।

इस योजना में आवश्यकतानुसार, चरणबद्ध रूप से एवं यथा व्यवहार्य स्टेशन भवन में सुधार, स्टेशन को शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण करना, मल्टीमोडाल एकीकरण, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित पटरियों की व्यवस्था आदि और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेन्टरों के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है।

इसके अलावा, भारतीय रेल पर स्टेशनों का उन्नयन/आधुनिकीकरण एक सतत और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्य आवश्यकता, परस्पर प्राथमिकता, धन की उपलब्धता आदि के अनुसार किए जाते हैं। स्टेशनों के उन्नयन/आधुनिकीकरण के लिए कार्य को स्वीकृति प्रदान करते और निष्पादित करते समय निम्न कोटि के स्टेशनों की तुलना में उच्च कोटि के स्टेशनों को प्राथमिकता दी जाती है।

अमृत भारत स्टेंशन योजना सहित अन्य योजनाओं के अंतर्गत स्टेशनों का विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण सामान्यतत: योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएं' के अंतर्गत वित्तपोषित किया जाता है। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत आबंटन और व्यय का ब्यौरा क्षेत्रीय रेलवे-वार रखा जाता है, न कि कार्य-वार या स्टेशन-वार या राज्य-वार। तमिलनाडु राज्य दो रेलवे जोनों, अर्थात् दक्षिण रेलवे और दक्षिण-पश्चिम रेलवे के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आता है। इन जोनों के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए ₹1,571 करोड़ का आबंटन किया गया है, जिसमें से अब तक (जून, 2025 तक) ₹341 करोड़ का व्यय उपगत किया गया है।

भारतीय रेल के पास परियोजनाओं के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए एक सुव्यवस्थित तंत्र है, जिसमें उनकी समीक्षा, निरीक्षण, कार्यों की गुणवत्ता की जांच और लेखापरीक्षा शामिल हैं। विभिन्न संहिताओं और नियमावली में निर्धारित मानकों और विशिष्टियों का पालन करते हुए कार्य किए जाते हैं। निर्धारित अनुदेशों के अनुसार विभिन्न एजेंसियों/अधिकारियों/बहु-विषयक टीमों द्वारा समय-समय पर निरीक्षण/लेखापरीक्षा/जांच की जाती है और सुधार हेतु तुरंत कार्रवाई की जाती है। यह एक सतत एवं निरंतर प्रक्रिया है।

रेलवे स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल होती है और इसके लिए दमकल विभाग, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन संबंधी स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता

होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं को स्थानांतरित करना, (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं) अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, रेलपथ एवं उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के निकट किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउन फील्ड संबंधी चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य के पूरा होने के समय को प्रभावित करते हैं। अत:, इस समय कोई समय-सीमा नहीं बताई जा सकती है।

*****